(रामपुराफूल) में बहुत कम वजन पाया गया था। किन्तु चूंकि इस मामले में रेलवे स्टेशन से माल प्राप्त करने के बाद 40 से 50 कि० मी० से भी अधिक की दूरी तक इसकी ढुलाई ट्रकों द्वारा की गई थी, अतः कमी सड़क से ढुलाई करने के दौरान हुई होगी क्योंकि भटिंडा रेलवे स्टेशन पर परीक्षण के तौर पर की गई जांच के दौरान इसमें कोई कमी नहीं पाई गई थी।

भारतीय खाद्य को निगम हिदायत दी गई है कि वह उर्वरक की बोरियों में सही भार के मानकीकरण में सुधार करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करे। भारतीय खाद्य निगम द्वारा मिलावट किए हुए और कम तौल के आयातित उर्वरकों की कथित सप्लाई के बारे में कोई औपचारिक जांच नहीं की गई है, किन्तु जैसा कि ऊपर संकेत दिया गया है, पूछ-ताछ की गई है।

पिछले तीन वर्षों में विभिन्न राज्यों में खाद्यान्न का उत्पादन

6765. डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में मध्य प्रदेश, गजरात, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा में खाद्यान्नों का कितना उत्पादन हुआ है : और

(ख) यदि हां, तो इसका राज्यवार और वर्षवार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब पी० शिन्दे): (क) और (ख). गत तीन वर्षों में मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा में खाद्यान्नों का उत्पादन नीचे दिया गया है :—

राज्य	उत्पादन (लाख मीटरी टनों में)		
	1970–71	1971–72	1972–73
मध्य प्रदेश .	109.2	116.3	106.7
गुजरात . .	44.1	42.2	22.1
उत्तर प्रदेश .	195.8	177.0	179.5
महाराष्ट्र . .	55.9	49.5	30.5
हरियाणा . .	47.5	45.5	39.5